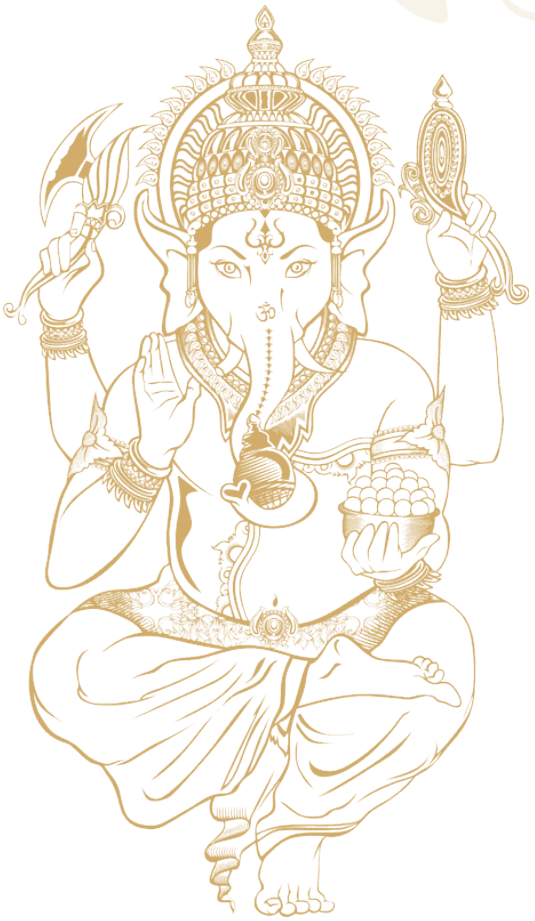

A

01 Dec 2025

03:47 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120983510

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30-01/12/2025**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**03:47:00 घंटे**
इष्ट	52:07:30 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:25:52 घंटे
वेलान्तर	00:11:20 घंटे
साम्पातिक काल	08:06:00 घंटे
सूर्योदय	06:55:59 घंटे
सूर्यास्त	17:23:45 घंटे
दिनमान	10:27:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	14:44:51 वृश्चिक
लग्न के अंश	03:22:43 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	सिद्धि
करण	वणिज
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दे-देवांशु
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	03:22:43	312:51:35	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			वृश्चि	14:44:51	01:00:47	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मीन	18:12:59	14:18:14	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	सम राशि
मंगल		अ	वृश्चि	25:01:18	00:44:29	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	स्वराशि
बुध			तुला	26:36:39	00:12:17	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु	व		कर्क	00:19:08	00:03:46	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	उच्च राशि
शुक्र			वृश्चि	05:53:17	01:15:26	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	सम राशि
शनि			मीन	00:56:40	00:00:18	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु	व		कुंभ	20:04:55	00:03:15	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	20:04:55	00:03:15	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	04:50:02	00:02:28	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप	व		मीन	05:10:42	00:00:20	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	07:40:51	00:01:17	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			कर्क	05:07:44	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:12

लग्न-चलित

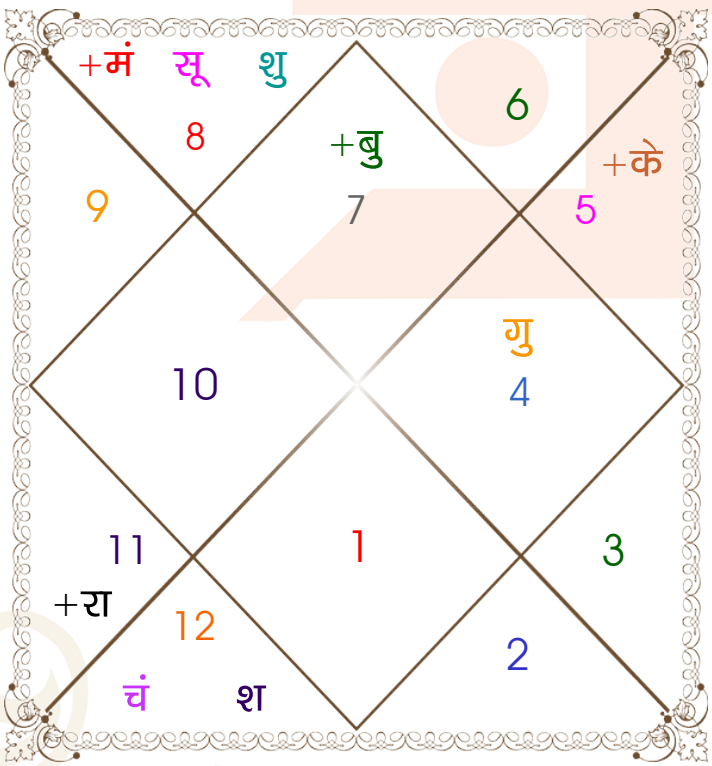

चन्द्र कुंडली

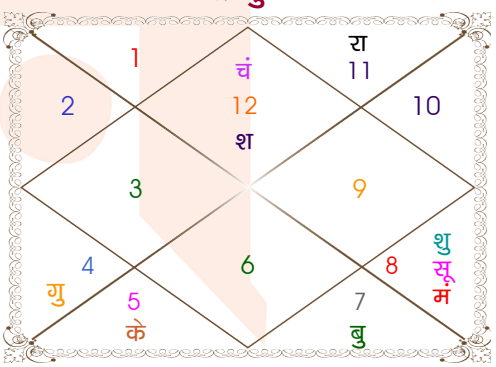

नवमांश कुंडली

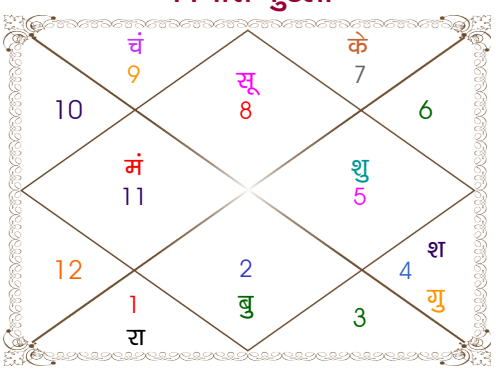

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 15 वर्ष 0 मास 8 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
01/12/2025		09/12/2040		10/12/2047		10/12/2067		09/12/2073	
09/12/2040		10/12/2047		10/12/2067		09/12/2073		10/12/2083	
बुध	08/05/2026	केतु	07/05/2041	शुक्र	10/04/2051	सूर्य	29/03/2068	चंद्र	10/10/2074
केतु	05/05/2027	शुक्र	08/07/2042	सूर्य	10/04/2052	चंद्र	27/09/2068	मंगल	11/05/2075
शुक्र	05/03/2030	सूर्य	12/11/2042	चंद्र	09/12/2053	मंगल	02/02/2069	राहु	09/11/2076
सूर्य	09/01/2031	चंद्र	13/06/2043	मंगल	09/02/2055	राहु	28/12/2069	गुरु	11/03/2078
चंद्र	10/06/2032	मंगल	10/11/2043	राहु	08/02/2058	गुरु	16/10/2070	शनि	10/10/2079
मंगल	07/06/2033	राहु	27/11/2044	गुरु	09/10/2060	शनि	28/09/2071	बुध	11/03/2081
राहु	25/12/2035	गुरु	03/11/2045	शनि	10/12/2063	बुध	03/08/2072	केतु	10/10/2081
गुरु	01/04/2038	शनि	13/12/2046	बुध	10/10/2066	केतु	09/12/2072	शुक्र	10/06/2083
शनि	09/12/2040	बुध	10/12/2047	केतु	10/12/2067	शुक्र	09/12/2073	सूर्य	10/12/2083

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
10/12/2083		10/12/2090		10/12/2108		10/12/2124		11/12/2143	
10/12/2090		10/12/2108		10/12/2124		11/12/2143		00/00/0000	
मंगल	07/05/2084	राहु	22/08/2093	गुरु	28/01/2111	शनि	14/12/2127	बुध	02/12/2145
राहु	26/05/2085	गुरु	16/01/2096	शनि	11/08/2113	बुध	23/08/2130		00/00/0000
गुरु	02/05/2086	शनि	21/11/2098	बुध	17/11/2115	केतु	02/10/2131		00/00/0000
शनि	10/06/2087	बुध	11/06/2101	केतु	23/10/2116	शुक्र	02/12/2134		00/00/0000
बुध	07/06/2088	केतु	29/06/2102	शुक्र	24/06/2119	सूर्य	14/11/2135		00/00/0000
केतु	03/11/2088	शुक्र	29/06/2105	सूर्य	11/04/2120	चंद्र	14/06/2137		00/00/0000
शुक्र	03/01/2090	सूर्य	24/05/2106	चंद्र	11/08/2121	मंगल	24/07/2138		00/00/0000
सूर्य	11/05/2090	चंद्र	23/11/2107	मंगल	18/07/2122	राहु	30/05/2141		00/00/0000
चंद्र	10/12/2090	मंगल	10/12/2108	राहु	10/12/2124	गुरु	11/12/2143		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 14 वर्ष 11 मा 30 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।